एक हज़ारों में मेरा बाबा है

सेवक और दास का सबका कहना है,
एक हज़ारों में मेरा बाबा है,
सारी उमर सेवा में रहना है।

ये ना जाना दुनियां ने में हूँ क्यू उदास,
मेरी प्यारी अखियों को तेरी ही तो आस,
सुन ले सँवारे कह जो, कहना है,
एक हज़ारों में मेरा बाबा है,
सारी उमर सेवा में रहना है।

जब तक ना पहुँचा था तेरे दर हुज़ूर
तब तक मेरे जीवन में था ग़म का शुरुर,
अब जो मिला है तू मन में चैना है,
एक हज़ारों में मेरा बाबा है,
सारी उमर सेवा में रहना है।

बाबा देख में तो तेरे चौखट की धूल,
में ना भूलूँ तुमको मुझे भी तू ना भूल,
सुख की है चाह तो दुःख भी सहना है,
एक हज़ारों में मेरा बाबा है,
सारी उमर सेवा में रहना है।

तेरे प्रेमी दुःख से कभी डरते नहीं है,
तख़लीफ़ो से बच के गुज़रते नहीं है,
सेवक का तेरे बस इतना कहना है,
एक हज़ारों में मेरा बाबा है,
सारी उमर सेवा में रहना है।

सेवक और दास का सबका कहना है,
एक हज़ारों में मेरा बाबा है,
सारी उमर सेवा में रहना है।

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24937/title/ek-hazaro-me-mera-baba-hai

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |